राज एक्सप्रेस 29.5.2019

क्यूआर कोड, होलोग्राम के साथ अब पता चल सकेगा किस मोड में हासिल की है डिग्री या सर्टिफिकेट

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी समेत अन्य सभी उच्च शिक्षण संस्थानों व यूनिवर्सिटी को यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ने निर्देश दिया है कि सर्टिफिकेट पर यह अंकित करें कि स्टूडेंट्स ने जो डिग्री प्राप्त की है वह किस मोड में है। यानि उक्त डिग्री स्टूडेंट ने रेगुलर कोर्स में प्राप्त की है या फिर डिस्टेंस एजुकेशन या फिर पार्ट टाइम कोर्स करके हासिल की है।

यानि सर्टिफिकेट पर अब क्यूआर कोड और होलोग्राम के साथ यह भी अंकित होगा कि स्टूडेंट ने किस मोड में पढ़ाई की है। यूजीसी के अधिकारियों का कहना है कि स्टूडेंट की सभी जानकारियां सही-सही सर्टिफिकेट पर अंकित होना चाहिए, क्योंकि जीवनभर यह उनके काम आने वाला है। फर्जी डिग्री पर लगाम लगाने के लिए यूजीसी ने एक नई पहल की है। इसके मुताबिक अब स्टूडेंट्स के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों यानि डिग्री और सर्टिफिकेट पर क्यूआरकोड अंकित होगा। इसके साथ ही संस्थान का होलोग्राम भी डिग्री और सर्टिफिकेट पर अंकित होगा।

होलोग्राम स्टूडेंट के सर्टिफिकेट और डिग्री में क्यूआर कोड करें अंकित

यूजीसी ने देश के सभी यूनिवर्सिटी व उच्च शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिया है कि सभी संस्थान अपना होलोग्राम स्टूडेंट्स के सर्टिफिकेट और डिग्री में क्यूआर कोड के साथ अंकित करें। अधिकारियों की माने तो इस कदम से देश में उच्च शिक्षा प्रणाली में एकरुपता लाने में मदद मिलेगी। यूजीसी ने सभी संस्थानों से अनुरोध है कि अब स्टूडेंट्स को यूनिवर्सिटी जो भी डिग्री (मार्कशीट और प्रमाणपत्र) देगी उसमें क्यूआर कोड भी प्रिंट रहेगा। इसके लिए यूजीसी की ओर से सभी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर को चिट्ठी लिखी गई है। क्यूआर कोड से सबसे ज्यादा फायदा डिग्री के वेरीफिकेशन को लेकर होगा। क्यूआर कोड स्कैनर की सहायता से डिग्री की सत्यता की जांच ऑनलाइन की जा सकेगी। नौकरी में डिग्री के वेरीफिकेशन को लेकर अभी यूनिवर्सिटी के पास सत्यापन के लिए लगभग सभी मामले आते हैं। इसमें समय भी ज्यादा लगता है और साथ ही यूनिवर्सिटी व जांच कराने वाले विभागों का काम भी काफी बढ़ जाता है। लेकिन अब क्यूआर कोड होने से यह दिक्कत दूर हो जाएगी। यूजीसी ने कहा है कि इन निर्देशों को स्टूडेंट्स के हित में तुरंत लागू किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को तत्काल रोका जा सके।

वेबसाइट पर लेटर किया इश्यू

हमने अधिकारिक वेबसाइट पर लेटर इश्यू कर दिया है। इसके पहले भी हमने सर्कुलर जारी कर यूनिवर्सिटी व उच्च शिक्षण संस्थानों को इस तरह के निर्देश दिए हैं। स्टूडेंट्स की डिग्री में कुछ सिक्योरिटी फीचर होना चाहिए चाहे वह क्यूआर कोड, होलोग्राम या फिर डिग्री या मार्कशीट में स्टूडेंट का फोटो ही क्यों न हो। हम चाहते हैं कि आर्थेटिक मार्कशीट दे पाए इसके लिए नई पहल की है।

■ प्रो. रजनीश जैन,
यूजीसी सचिव